//<u>प्रेस नोट</u>//

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता 'ज्वाला' के एक शावक की मृत्यु

दिनांक 23.05.2023

आज दिनांक 23.05.2023 को प्रातः लगभग 7 बजे मादा चीता 'ज्वाला' की मॉनिटरिंग टीम द्वारा उसको अपने शावकों के साथ एक जगह बैठा पाया गया। कुछ समय पश्चात मादा चीता ज्वाला अपने शावकों के साथ चलकर जाने लगी। मॉनिटरिंग टीम द्वारा 3 शावकों को उसके साथ जाते हुये देखा गया, चौथा शावक अपने स्थान पर ही लेटा रहा। मॉनिटरिंग टीम द्वारा कुछ समय रूकने के पश्चात चौथे शावक का करीब से निरीक्षण किया गया। यह शावक उठने में असमर्थ जमीन पर पड़ा पाया तथा मॉनिटरिंग टीम को देखकर अपना सिर उठाने का प्रयास भी किया। तत्काल पशु चिकित्सक दल को सूचना दी गई। दल के पहुंचने पर उनके द्वारा चीता शावक को आवश्यक उपचार देने का प्रयास किया गया परन्तु कुछ ही देर में शावक की मृत्यु हो गई। तत्पश्चात चीता शावक का शव परीक्षण किया गया। प्रथम दृष्टया शावक की मृत्यु का कारण कमजोरी से होना प्रतीत होता है। प्रारंभ से ही यह शावक चारों शावकों में से सबसे छोटा, कम सक्रिय व सुस्त रहा है। सामान्यतः कमजोर चीता शावक अन्य शावकों के मुकाबले कम दूध पी पाता है जिससे उसके Survival की उम्मीद कम होती जाती है और अन्ततः ऐसे शावक लम्बे समय तक जीवित नहीं रह पाते। यह पूरी प्रक्रिया Survival of fittest के परिपेक्ष्य में देखी जानी चाहिये।

सामान्यतः अफ्रीकी देशों में चीता शावकों का Survival प्रतिशत बहुत कम होता है। उपलब्ध साहित्य एवं विशेषज्ञों के अनुसार खुले जंगल में Survival प्रतिशत मात्र 10 प्रतिशत होता है। प्राकृतिक स्थलों में मात्र 10 में से 1 चीता शावक वयस्क हो पाता है। इसीलिए सामान्यतः जन्म लेने वाले शावकों की संख्या अन्य जंगली बिल्ली प्रजातियों की तुलना में चीता में सर्वाधिक होती है।